संपादकीय

वक्त का फैसला

आखिरकार केंद्र सरकार ने सीबीएसई की बारहवीं की बोर्ड परीक्षाओं को रद्द करने का निर्णय ले ही लिया। निस्संदेह, कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर की भयावहता को देखते हुए अभिभावक अपने बच्चों के लिये चिंतित थे। यह चिंता तब और बढ़ी जब खुद शिक्षा मंत्री ही प्रधानमंत्री द्वारा बुलाई बैठक से पहले कोविड संक्रमण के बाद के प्रभाव के चलते एम्स में भर्ती हो गये। बहरहाल, मौजूदा संकट में यह मुद्दा कितना महत्वपूर्ण हो गया था कि स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने बच्चों के जीवन को अनमोल बताते हुए, परीक्षाएं रद्द करने का निर्णय लिया। यह जरूरी भी हो गया था क्योंकि इस मुद्दे पर जमकर राजनीति होने लगी थी। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी से लेकर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल तक परीक्षा करवाने के मुद्दे को लेकर केंद्र सरकार पर हमलावर थे। वहीं छात्रों के कुछ समूह भी परीक्षा रद्द करवाने को लेकर सोशल मीडिया पर मुहिम चला रहे थे। बहरहाल, प्रधानमंत्री मोदी ने परीक्षा रद्द करने की घोषणा के बाद अधिकारियों को परीक्षा परिणाम तैयार करने को लेकर निर्देश दिये। अधिकारियों से कहा गया है कि परिणाम पूर्णत: निष्पक्ष और समयबद्ध तरीके से तैयार किये जाएं। अब केंद्रीय शिक्षा बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारियों की एक समिति इससे जुड़े मानदंड तैयार करेगी। संभव है छात्रों के पिछले शैक्षिक प्रदर्शन के आधार पर उनका परीक्षा परिणाम तैयार किया जाये। सरकार की कोशिश होगी कि समय रहते परीक्षा परिणाम घोषित किया जाये ताकि अगले सत्र को शुरू करने में कोई व्यवधान न आये। साथ ही उच्चस्तरीय मीटिंग में यह भी तय किया गया कि यदि गत वर्ष की ही तरह कुछ छात्र परीक्षा में बैठने की इच्छा रखते हैं तो परिस्थिति सामान्य होने पर उन्हें इसका विकल्प उपलब्ध कराया जाये। यद्यपि अभी परीक्षा परिणाम घोषित करने की तिथि का जिक्र नहीं किया गया है।

दरअसल, सरकार का कहना है कि कोरोना संकट से व्याप्त अनिश्चितता और इससे जुड़े सभी पक्षों से फीडबैक लेने के बाद ही यह निर्णय लिया गया कि इस बार बारहवीं की परीक्षाएं आयोजित नहीं की जायेंगी। इससे पहले भी प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित एक उच्चस्तरीय बैठक में मंत्रियों और अधिकारियों ने इस मुद्दे पर मंथन किया था। उसके उपरांत भी रक्षा मंत्री की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में राज्यों के शिक्षा मंत्रियों की राय ली गई थी; जिसमें सभी विकल्पों पर विचार-विमर्श किया गया था, जिसमें परीक्षा के ऑनलाइन विकल्प, परीक्षा विद्यार्थियों के स्कूल में ही कराने, परीक्षा केंद्र बढ़ाने तथा परीक्षा की अवधि को कम करने जैसे विकल्पों पर विचार किया गया था। जबकि कुछ पक्षों का मानना था कि बिना वैक्सीन के परीक्षाओं का आयोजन नहीं करना चाहिए। बहरहाल, अब सीबीएसई की परीक्षा रद्द होने के बाद आईसीएसई ने भी बारहवीं की परीक्षा रद्द करने की घोषणा कर दी है। उम्मीद है कि राज्यों के बोर्ड भी इसी तरह के निर्णय लेंगे। कोशिश यही है कि कोरोना संकट के कारण यह दूसरा सत्र भी बाधित न हो। बहरहाल, इस संकट के अन्य विकल्पों से जुड़ी कई समस्याएं सामने आ रही थीं। यदि परीक्षा ऑनलाइन करायी जाती तो उसमें नकल होने की संभावना बढ़ सकती थी। यदि ऑफ वक्त का फैसला जीवन अनमोल, शैक्षिक गुणवत्ता भी जरूरी आखिरकार केंद्र सरकार ने सीबीएसई की बारहवीं की बोर्ड परीक्षाओं को रद्द करने का निर्णय ले ही लिया। निस्संदेह, कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर की भयावहता को देखते हुए अभिभावक अपने बच्चों के लिये चिंतित थे। यह चिंता तब और बढ़ी जब खुद शिक्षा मंत्री ही प्रधानमंत्री द्वारा बुलाई बैठक से पहले कोविड संक्रमण के बाद के प्रभाव के चलते एम्स में भर्ती हो गये। बहरहाल, मौजूदा संकट में यह मुद्दा कितना महत्वपूर्ण हो गया था कि स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने बच्चों के जीवन को अनमोल बताते हुए, परीक्षाएं रद्द करने का निर्णय लिया।

भारत में प्रौद्योगिकी कंपनियों के कार्बन उत्सर्जन में 85 प्रतिशत की आई गिरावट

नई दिल्ली। एक ओर जहां कोविड-19 महामारी बीमारी, मृत्यु और आर्थिक गतिविधियों में गिरावट जैसी नकारात्मकता लेकर आई है, वहीं इसकी वजह से कुछ सकारात्मक चीजें भी देखने को मिली हैं और इसने वित्त वर्ष 2020-21 में भारत के 194 अरब डॉलर के आउटसोर्सिंग प्रौद्योगिकी उद्योग को कार्बन उत्सर्जन कम करने की ओर अग्रसर किया है।

महामारी ने आईटी, आईटीईएस, इंजीनियरिंग, जीआईसी/जीसीसी और स्टार्टअप सहित आउटसोर्सिंग प्रौद्योगिकी कंपनियों से कार्बन उत्सर्जन में 85 प्रतिशत की कमी की है।

इस कमी का अर्थ है पूर्व-महामारी के स्तर से लगभग तीन लाख टन कार्बन उत्सर्जन में गिरावट। अगर सालाना आधार पर देखें तो यह गिरावट 20 लाख टन है।

कार्बन उत्सर्जन में गिरावट का कारण कोविड-प्रेरित वर्क फ्रॉम होम (दफ्तर जाए बिना घर से काम), डिजिटल प्लेटफॉर्म, इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) और डिजिटल कैंपस हायरिंग प्लेटफॉर्म को अपनाने जैसे कारकों को बताया गया है।

आउटसोर्सिंग उद्योग द्वारा वित्त वर्ष 2019-20 में 2.9 अरब डॉलर की तुलना में वित्त वर्ष 2020-21 में यात्रा लागत, यात्रा लागत और अंतर्राष्ट्रीय यात्रा पर केवल 75 करोड़ डॉलर खर्च किए गए हैं। शीर्ष पांच आईटी सर्विस कंपनियों - टीसीएस, इंफोसिस, एचसीएल, विप्रो और टेक महिंद्रा - ने वित्त वर्ष 2021 में यात्रा लागत पर लगभग 37 करोड़ डॉलर खर्च किए, जो वित्त वर्ष 2020 में 1.4 अरब डॉलर की तुलना में 75 प्रतिशत कम है।

वहीं फिलहाल आउटसोर्सिंग उद्योग में लगभग 44 लाख कर्मचारियों में से केवल चार से पांच प्रतिशत कर्मचारी ही काम के लिए यात्रा कर रहे हैं। वैश्विक और घरेलू आईटी फर्मों के कर्मचारियों और परिवारों के पूर्ण टीकाकरण के बाद अनुमानित 20 प्रतिशत से 25 प्रतिशत कर्मचारी अगले साल की शुरूआत में काम पर वापस आ जाएंगे।

महामारी के बाद (अगले वर्ष के मध्य) एआई ट्रांसपोर्टेशन टेक प्लेटफॉर्म के साथ-साथ इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की तैनाती अधिक देखने को मिलेगी। तकनीकी कंपनियों का लक्ष्य 2025 तक ईवी पर लगभग 5 प्रतिशत कर्मचारी यात्रा को 25 प्रतिशत से 30 प्रतिशत तक ले जाना है।

रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि उपभोक्ता-ग्रेड अनुभव के साथ भविष्य की घरेलू और अंतरराष्ट्रीय यात्रा की जरूरतों से बचने के लिए डिजिटल उपकरणों को अपनाने से भी कार्बन उत्सर्जन कम करने में मदद मिलेगी।

अनअर्थइनसाइट के संस्थापक और सीईओ गौरव वासु ने एक बयान में कहा, आउटसोर्सिंग उद्योग कोविड से पहले भी हाइब्रिड वर्किंग मॉडल, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को अपनाने की राह पर था। हालांकि महामारी और डिजिटल उपकरणों/प्रौद्योगिकी को तेजी से अपनाने के परिदृश्य को नाटकीय रूप से बदल दिया है और आज कार्बन उत्सर्जन में कमी लंबे समय तक टिकाऊ दिखती है।

इसके अलावा, रिपोर्ट से पता चला है कि कोविड ने बड़े उद्योग के दिग्गजों को डिजिटल कैंपस हायरिंग प्लेटफॉर्म जैसी तकनीकों को तैनात करने के लिए प्रेरित किया, जिससे देश भर में 1,000 से अधिक परिसरों की यात्रा के संदर्भ में उत्पन्न कार्बन उत्सर्जन में काफी कमी आई है।

जेवर एयरपोर्ट के लिए एसबीआई से मिला 3,725 करोड़ का ऋण

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के जेवर में बन रहे नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के निर्माण के लिए भारतीय स्टेट बैंक ने यमुना अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा प्राइवेट लिमिटेड (वाईआईएपीएल) को 3,725 करोड़ रुपये के ऋण की मंजूरी दी है। वाईआईएपीएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने आज कहा, हमें नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए देश के सबसे बड़े भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के साथ साझेदारी करने की खुशी है। कुल 3,725 करोड़ रुपये का ऋण मंजूर हो गया है जिसे 20 साल में चुकाना है। हम एसबीआई के साथ मिलकर नोएडा हवाई अड्डे को विश्व स्तरीय बनाने की दिशा में काम करने के लिए उत्सुक हैं। वाईआईएपीएल जुरिक एयरपोर्ट इंटरनेशनल की पूर्ण स्वामित्व वाली एकल उद्देश्य कंपनी है जिसका निर्माण जेवर हवाई अड्डे के विकास के लिए किया गया है। उत्तर प्रदेश सरकार ने इस हवाई अड्डे के विकास के लिए वाईआईएपीएल के साथ रियायत समझौता किया है। कंपनी को सार्वजनिक निजी भागीदारी के तहत इस परियोजना को अंजाम दे रही है। इसमें उत्तर प्रदेश सरकार, नयी दिल्ली ओखला औद्योगिक विकास प्राधिकरण और ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण सार्वजनिक भागीदार हैं।

पर्यावरण संरक्षण के लिए कागज के प्रयोग को बढ़ावा देने की जरूरत : आईपीएमए

नई दिल्ली। कागज पर्यावरण की दृष्टि से सबसे अनुकूल उत्पादों में से एक है। कागज बायोडिग्रेडेबल और रिसाइकिल किए जाने योग्य है और ऐसे संसाधनों से बनाया जाता है, जो नवीकरणीय हैं और सतत हैं। शिक्षा, पैकेजिंग, ई-कॉमर्स और स्वच्छता आदि से जुड़े कार्यों में कागज का इस्तेमाल अन्य विकल्पों की तुलना में पर्यावरण के ज्यादा अनुकूल है। इसके प्रयोग को बढ़ावा दिए जाने की जरूरत है। इंडियन पेपर मैन्यूफैक्चरर्स एसोसिएशन (आईपीएमए) ने पर्यावरण दिवस के मौके पर यह बात कही। आईपीएमए के महासचिव रोहित पंडित ने कहा,

'यह तर्क कि कागज बनाने के लिए जंगल काटे जाते हैं और इससे पर्यावरण को नुकसान होता है, पूरी तरह आधारहीन है। सच यह है कि कागज बनाने के लिए जिस लकड़ी का इस्तेमाल होता है, उसका पेड़ किसान विशेषरूप से कागज के लिए ही उगाते हैं। इसके लिए जंगल नहीं काटा जाता है। कागज उद्योग ने किसानों के साथ मिलकर कृषि वानिकी के तहत ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने की दिशा में काम किया है।'

कागज के लिए पेड़ लगाने से ग्रामीण इलाकों में लाखों किसानों को रोजगार मिला है। इस कृषि वानिकी की पहल से करीब 5 लाख किसान जीविका कमा रहे हैं। श्री पंडित ने आगे बताया कि कागज उद्योग की कृषि वानिकी से देश का ग्रीन कवर ज्यादा हुआ है। अब तक कागज उद्योग ने देश में 12 लाख हेक्टेयर कम उपजाऊ जमीन पर पल्पवुड प्लांटेशन कराया है। इस तरह से देखा जाए तो कागज का इस्तेमाल पर्यावरण के लिए अच्छा है।

आईपीएमए के मुताबिक, कागज उद्योग के काम करने प्रक्रिया पिछले वर्षों में पूरी तरह बदल गई है। आज यह उद्योग कहीं ज्यादा इनोवेटिव है और ई-कॉमर्स, एफएमसीजी, फार्मास्युटिकल्स, फूड पैकेजिंग आदि में प्रयोग के लिए कई वैराइटी के उत्पाद उपलब्ध करा रहा है।

नई टेक्नोलॉजी के आने से यह भी सुनिश्चित हुआ है कि आज ज्यादा बेहतर गुणवत्ता के कागज बनाए जा रहे हैं। इको-फ्रेंडली विकल्प तलाश रहे रिटेल एवं संस्थागत ग्राहकों की विशेष जरूरतों को पूरा करने के लिए उनकी जरूरत के मुताबिक उत्पाद बनाना भी संभव है।

छोटे कारोबारों के लिए आरबीआई ने उठाया बड़ा कदम

» बस संचालकों व सैलून-ब्यूटी पार्लर के लिए भी मिलेगा सस्ता कर्ज

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ने महामारी में सबसे ज्यादा प्रभावित होटल, पर्यटन उद्योग के साथ ही बस संचालकों, सैलून और ब्यूटी पार्लर जैसे छोटे कारोबार को भी मदद के लिए हाथ बढ़ाया है। आरबीआई की ओर से बैंकों को रेपो रेट (चार फीसदी) ब्याज पर 3 साल के लिए 15 हजार करोड़ का फंड दिया जाएगा। जिससे बैंक इन क्षेत्रों को सस्ता कर्ज उपलब्ध करा सकेंगे। मौद्रिक नीति समिति की बैठक में आरबीआई ने होटल-रेस्तरां, पर्यटन, विमानन सहायता सेवाओं, ट्रैवल एजेंट टूर ऑपरेटर एयरपोर्ट ग्राउंड हैंडलिंग सेवाओं, एडवेंचर ट्रैवल एजेंसी, निजी बस संचालक, कार रिपेयर सर्विस, कार रेंट सर्विस, स्पा, ब्यूटी पार्लर, सैलून, इवेंट-कॉन्फ्रेंस ऑर्गेनाइजर को भी सस्ता कर्ज उपलब्ध कराने की सुविधा दी है।

इसके लिए 31 मार्च 2022 तक आवेदन किया जा सकेगा। सिडबी के जरिए एमएसएमई को 16 हजार करोड़ का कर्ज बांटने में आकांक्षी जिलों के छोटे व मझोले उद्यमों को प्राथमिकता दी जाएगी। 4 फ़ीसदी ब्याज पर जारी इस सुविधा का लाभ योजना शुरू होने से 1 साल तक उठा सकेंगे। आरबीआई ने कहा भविष्य में अर्थव्यवस्था और उद्योगों की जरूरत को देखते हुए योजना की अवधि बढ़ाई जा सकती है।

हमें तोड़ने वाली चीजें ही एकजुट करती हैं : कृति सेनन

एक्ट्रेस कृति सेनन ने सोशल मीडिया पर अपना एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियों ने माध्यम से उन्होंने निराश लोगों का हौंसला बढ़ाया है। वह कहती हैं कि जो चीज लोगो को तोड़ती है वह उन्हें एकजुट भी करती है। कृति ने यह वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किया है।

कृति ने वीडियो शेयर करके कैप्शन लिखा, मैं कोशिश करती हूं और हर चीज में एक सिल्वर लाइनिंग देखती हूं अंधेरे में रोशनी की एक किरण, बुरे में अच्छी हां मैं वह व्यक्ति हूं। मैं और मेरी तन्हाई अक्सर बातें किया करते हैं। बस ऐसा लगा जैसे मैंने आज के बेड टाइम थॉट को साझा किया गया है नाइट डियर डायरी होने के लिए धन्यवाद। इस वीडियो में देखा जा रहा है कि कैसे लोग जरूरतमंद लोगों की मदद करने के लिए अपनी क्षमता से परे जा रहे थे। वह कहती हैं, जो चीज हमें कहीं न कहीं तोड़ती हैं, वह हमें एकजुट करती हैं। आज जब मैं चारों ओर देखती हूं तो इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपकी जाति क्या है या धर्म क्या है, पेशा है, अमीर या गरीब, आप किस राज्य से हैं कुछ भी मायने नहीं रखता।

इसके अंत में हम हैं। बस सभी इंसान जो एक दूसरे के दर्द को महसूस कर सकते हैं और पहचान सकते हैं।

वह आगे कहती हैं, जब हमें किसी की जरूरत होती है तो हम भयानक महसूस करते हैं और हम उस शब्द को फैलाने और उस व्यक्ति की मदद लेने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। हम एक दूसरे के लिए अजनबी हैं। हम दान कर रहे हैं, हम एक दूसरे की पीड़ा और दर्द को समाप्त करने का तरीका जानने की कोशिश कर रहे हैं। बता दें कि अभिनेत्री ने आगामी फिल्म भूमि की शूटिंग पूरी कर ली है, जिसमें वरुण धवन भी हैं। फिल्म अमर कौशिक द्वारा निर्देशित है, और फिल्म अगले साल 14 अप्रैल को रिलीज होने की उम्मीद है। भेड़िया के अलावा, कृति फिल्म मिमी में नजर आएंगी, जो सरोगेसी पर आधारित है।

आज का राशिफल

मेष:- आज का दिन अच्छा नहीं रहेगा। गुस्से पर काबू रखें, अन्यथा परिवार वालों के साथ विवाद हो सकता है। कड़वी बातों को नजरअंदाज करने की कोशिश करें।

वृषभ:- आज का दिन सामान्य रहेगा। अपने परिवार को लेकर चिंतित रहेंगे। क्रोध पर नियंत्रण रखें। आर्थिक कोशिशें बेहतर बनीं रहेंगी।

मिथुन:- आज का दिन अच्छा रहेगा। कारोबार में आर्थिक लाभ रहेगा। धनप्राप्ति के योग बनेंगे। जो भी करेंगे उसमें बेहतर रहेंगे। मित्रों का भरपूर सहयोग मिलेगा। परीक्षार्थी उम्मीद के अनुरूप परिणाम पाएंगे।

कर्क:- आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। कानूनी कार्यों में सफलता मिल सकती है। नई परियोजना को अमल में ला सकते हैं। परिवार में खुशी का वातावरण बना रहेगा।

सिंह:- आज का दिन अच्छा रहेगा। कारोबार में मुनाफा रहेगा। सभी कार्य आसानी से पूरे होंगे, जिससे खुद पर भरोसा बढ़ेगा। साझा प्रयासों में अधिक सफलता के संकेत हैं।

कन्या:- आज का दिन सामान्य रहेगा। कार्य स्थल पर काफी मेहनत करेंगे, जिसका लाभ आगे चलकर मिलेगा। मेहनत और लगन से आगे बढ़ते रहें।

तुला:- आज के दिन काफी अच्छा महसूस करेंगे। मानसिक रूप से खुशी की अनुभूति होगी। नई जगहों पर भ्रमण पर जाएंगे। मित्रों का साथ उत्साहित रखेगा।

वृश्चिक:- आज का दिन अच्छा रहेगा। घर में सुख सुविधाओं में वृद्धि होगी। इच्छित वस्तु की प्राप्ति की संभावना है। शुभ कार्यों में रुचि बनी रहेगी। परिजनों के साथ आनंदमय समय बिताएंगे।

धनु:- आज का दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक मामलों में बेहतर बने रहेंगे। मित्रों से भेंट होगी। कला कौशल को बल मिलेगा। किसी धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होंगे, जिससे घर में खुशहाली रहेगी।

मकर:- आज का दिन कुछ सकारात्मक परिवर्तन लेकर आ सकता है। आकस्मिक खर्च बढ़ने से आप तनाव महसूस करेंगे, अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखें।

कुम्भ:- आज का दिन अच्छा रहेगा। अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में कामयाब होंगे, नौकरी में तरक्की और व्यवसाय में अच्छा मुनाफा होने की संभावना है।

मीन:- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। काफी प्रसन्न रहेंगे और भव्यता व सभ्यता पर जोर रहेगा। खर्च और निवेश बढ़ा हुआ रहेगा।

सलमान खान और कैटरीना कैफ की टाइगर 3 को लेकर आई बड़ी खबर

बॉलीवुड के मशहूर कलाकार सलमान खान और कैटरीना कैफ की सुपरहिट जोड़ी एक बार फिर से सिल्वर स्क्रीन पर नजर आने वाली है। जी हां आपकी जानकारी के लिए बता दें कि जल्दी ही कैटरीना और सलमान एक साथ फिल्म टाइगर 3 में नजर आने वाले हैं। जिस पर पिछले काफी समय से काम चल रहा है। सिल्वर स्क्रीन पर एक बार फिर से सलमान कैटरीना की जोड़ी को देखने के लिए फैंस भी काफी उत्साहित है और फिल्म टाइगर 3 की रिलीज का बड़ी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हालांकि अब

सलमान खान और कैटरीना कैफ की फिल्म टाइगर 3 को लेकर जो खबर सामने आ रही है उसे सुनने के बाद दोनों के चाहने वालों को झटका लगने वाला है। बता दें की शूटिंग होने की वजह से अब फिल्म टाइगर 3 मेकर्स ने मुंबई में बने फिल्म के सेट को तोड़ दिया है। कोरोना वायरस के कारण मुंबई में टाइगर के अलावा कई फिल्मों की शूटिंग रूकी हुई है और अभी उम्मीद भी नजर नहीं आ रही है कि फिल्मों की शूटिंग महाराष्ट्र में कब शुरू की जाएगी। ऐसे में अब मेकर्स ने फिल्मों और टीवी शो के सेट को तोड़ना ही ठीक समझा है।

क्योंकि सेट को बनाए रखने में मेकर्स को ज्यादा खर्चा आ रहा है।खबरों के अनुसार ऐसा कहा जा रहा है कि शूटिंग कब शुरू होगी इस पर अभी कुछ भी साफ नहीं हो पाया है। मीड जून तक सरकार शूटिंग के लिए हरी झंडी दे सकती है। मेकर्स चाहते हैं कि फिल्म की शूटिंग शुरू होने से पहले सभी क्रू को वैक्सीन लग जाए।

एक्टर्स के पास प्लान बी भी होना जरूरी है : समीक्षा भटनागर

अभिनेत्री समीक्षा भटनागर का मानना है कि एक्टर्स के लिए एक बैक अप करियर विकल्प महत्वपूर्ण है क्योंकि उद्योग बहुत अनिश्चित है।

वह भी एक विकल्प देख रही हैं। उन्होंने बताया अगर कोई कलाकार बनने की योजना बना रहा है तो प्लान बी या एक वैकल्पिक व्यवसाय मॉडल होना निश्चित रूप से एक अच्छा प्रस्ताव है। कुछ ऐसा जो आपका पूरा ध्यान नहीं लेता है, इसे स्थापित करना आसान है और अच्छा वित्तीय रिटर्न देता है। मैंने भी एक प्लान सेट अप कर लिया है और लेकिन मैं उसी तर्ज पर एक और प्लान सोच रही हूं। हालांकि, वह कहती हैं कि पेशे का हिस्सा बनने के बाद सभी एक्टर्स को संघर्ष के लिए तैयार रहना चाहिए। वह कहती है कि मैं केवल इतना कह सकती हूं कि हमें अपने विकल्पों को बुद्धिमानी से चुनना चाहिए। यदि आप एक एक्टर्स बनना चाहते हैं, तो आपको बहुत सारी कठिनाइयों से गुजरना होगा और आपको रोलरकोस्टर की सवारी के लिए तैयार रहना चाहिए।

उत्तर-भारत की मशहूर और जायकेदार रेसिपी कांजी वड़ा

कांजी भारत का वसंत ऋतु का पेय है खासकर इसे होली के अवसर पर बनाया जाता है। तो आज हम यहां ट्रेडिशनल कांजी वड़े की रेसिपी जानेंगे।

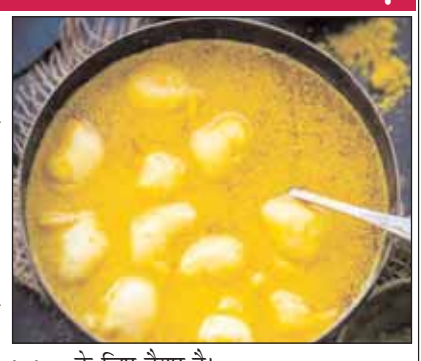

सामग्री :

250 ग्राम उड़द दाल, 50 ग्राम राई, 50 ग्राम हींग, 2 लीटर पानी (उबाल कर ठंडा किया हुआ), वड़े तलने के लिए तेल, स्वादानुसार नमक, सर्विंग के समय ऊपर से डालने के लिए थोड़ा काला नमक, भुना जीरा पाउडर, थोड़ी-सी कुटी हुई लाल मिर्च

विधि :

सबसे पहले दाल को कई बार पानी से धोकर साफ करें। कुछ घंटे के लिए भिगो दें। फिर इसका पानी निकालकर मिक्सी में बिना पानी डालें, पीस लें। इस पिसी हुई दाल को हाथ से खूब फेटें, जिससे यह हलकी हो जाए, इसे जांचने के लिए एक कटोरी पानी में थोड़ी दाल डालें, अगर वह ऊपर तैर जाएगी तो समझें कि दाल वड़ों के लिए तैयार है।

अब कड़ाही में तेल डालें। गोल-गोल वड़े बना कर बीच तेल में डालते जाएं और मध्यम आंच पर सुनहरा होने तक तलकर निकालें। अब राई और हींग को पीस लें। इसे उबले व ठंडे किए पानी में मिलाएं। इसमें नमक डालें। इसे एक कांच के जार में डालें। इसमें वडे डालकर कपड़े से दो-तीन दिनों के लिए ढक दें। रोज चलाएं जिससे यह फरमेंट हो जाए। प्लेट में वड़ा रखकर कांजी का पानी डालें। ऊपर से काला नमक, जीरा और मिर्च डालकर सर्व करें।

शब्द सामर्थ्य- 101

बाएं से दाएं
1. बात, घटना, माजरा, मुकदमा (उर्दू) 3. अलावा, अतिरिक्त 6. प्रेम, इच्छा 7. मां का बच्चे के प्रति प्रेम 8. गलती, जुर्म, गुनाह, दोष 10. मग्न, लीन, खुश, प्रसन्न 12. धनुष, समादेश, फौजी टुकड़ी 13. एक कल्पित पत्थर जो लोहे को छूकर सोना बना देता है 16. हिम्मत, साहस, सामर्थ्य 17. बनावटी, अनुकृति, असली का विलोम 18. अबोध, नासमझ 20. ब्रह्मापुत्र एक प्रसिद्ध हरिभक्त देवर्षि 22. गहरा नीला, काला 23. व्याकुल, बेसब्र 24. मन, चित्त, आदरसूचक तथा सहमति सूचक एक शब्द।

ऊपर से नीचे
1. स्वामी, नाथ 2. बेबस, मजबूर, विवश 3. अन्याय, अत्याचार, जुल्म 4. मध्य एशिया का एक देश 5. पुस्तक 9. बहादुर, वीर 11. सैनिक विद्रोह 12. नीच, अधम 12 ए. प्रणाम, झुकना 13. भरण-पोषण करना, परवरिश करना, छोटा झूला, हिंडोला 14. प्रमाण, प्रमाणिक कथन 15. स्वाभाविक ढंक, योग्यता, लियाकत, सभ्यता और शिष्टता, शऊर (उ.) 19. बिजली, तड़ित 21. रात में दिखाई न पड़ने का नेत्र संबंधी रोग।

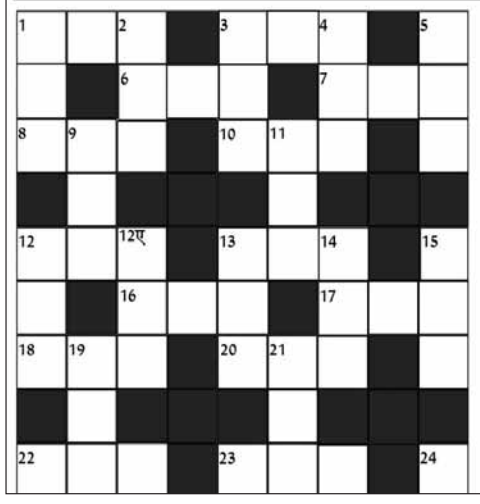

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 100 का हल

प	सं	द	■	सिं	हा	स	न	■
ख	■	म	ज	दू	र	■	का	म
वा	द	क	■	र	■	सं	ब	ल
ड़	■	ल	ज्जा	■	म	स्का	■	य
■	बा	■	■	बि	हा	र	■	■
सु	धा	क	र	■	न	■	■	औ
रं	■	म	■	कि	ता	ब	■	स
ग	■	अ	र	सा	■	हु	ज्ज	त
■	श	क्ल	■	न	मि	त	■	न

सू-दोकू- 101

	3		7				2	1
2				9		4		
	7		1				5	
		1		5		2		7
	5				4			
		4		1		8		5
					1			
1		5		3		9		
	2		6		5		1	

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.100 का हल

8	9	5	1	6	3	2	4	7
3	2	1	9	7	4	8	6	5
4	7	6	2	5	8	3	9	1
7	6	9	5	2	1	4	3	8
1	8	3	4	9	7	6	5	2
2	5	4	8	3	6	1	7	9
5	3	8	7	4	2	9	1	6
6	1	7	3	8	9	5	2	4
9	4	2	6	1	5	7	8	3